शासकीय दिग्विजय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सत्रः 2016-17

महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति

प्राचार्य
डॉ. आर.एन. सिंह
शास.दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

संयोजक
डॉ. अंजना ठाकुर
शास.दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

Scanned by CamScanner

महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति

वार्षिक प्रतिवेदन 2016–17

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

Scanned by CamScanner

वार्षिक प्रतिवेदन 2016–17

महिला उत्पीडन निवारण एवं विकास समिति

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय की महिला उत्पीडन निवारण एवं विकास समिति के तत्वाधान में समिति द्वारा अध्ययनरत छात्राओं के लिए बैठक लेकर काउंसलिंग की गई। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के साथ कोई छेडछाड़ न हो इसके लिए समय पर बैठक आयोजित की जाती है एवं पूछा जाता है किसी भी प्रकार की कोई घटना घटती है तो समिति को जानकारी देने कहा गया। ताकि समिति अपने स्तर पर घटना की रोकथाम करें। पुलिस विभाग द्वारा भी छात्राओं को गोपनीय नंबर दिया गया।ताकि कोई घटना होती है तो तत्काल पुलिस को सुचित किया जा सकेगा। महिला उत्पीडन निवारण एव विकास समिती की बैठक प्रतिमाह आयोजित की जाती है जिसमें महिला प्राध्यापकों, महिला कर्मचारियों एवं छात्राओं की समस्याओं की जानकारी को लेकर उनकें समाधान का प्रयास होता रहा है।

दिनांक 18/11/16 को महिला सशक्तिकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न क्षेत्रो की महिलाओं को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडेय, विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्रीमती शोभा सोनी, समाजसेवी श्रीमती शानु –मोहन भिलाई,शंकराचार्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह महिला आयोग के सदस्य डॉ. रेखा मेश्राम ,समाज सेवी रत्ना ओस्तवाल,पूर्णिमा साहू एवं शासकीय कमला देवी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बी. एन. मेश्राम,डॉ. हेमलता मोहबे पूर्व प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह शासकीय महाविद्यालय राजनांदगांव उपस्थित रहें। प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने अपने उदबोधन में कहा महिला भगवान द्वारा बनाया गया सर्वश्रेष्ट कृति है वर्तमान समय मे समाज के क्षेत्र में महिला की भूमिका महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अतिथियों को कार्यकम में शमिल होने के लिए धन्यवाद दिए।

Scanned by CamScanner

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ महिला आयोगकी अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडेय ने युवाओं ने प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा महिला सशक्तिकरण गंभीरता का विषय है एक महिला ही महिला की सबसे बडी रक्षक है महिला परिवार के साथ हमेशा रहती हें यह उसके प्राकृतिक गुणों मे होती है। वर्तमान समय में परिवार के हर निर्णय प्रक्रिया मे महिला की भुमिका सुनिश्चित हों। महिलाओ को बिना आरक्षक के तथा सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय के पहले गिरफ्तार नही किया जा सकता। जीरो एफ.आई.आर. एवं 354 धारा की छात्राओं को जानकारी दी।

समाज कल्याण बोर्ड की भी अध्यक्ष श्रीमती शोभा सोनी ने समाज के बुराई को दुर करने के लिए सबको आगे आना चाहिए। सकरात्मक सोच महिलाओं के लिए आवश्यक है। शंकराचार्य महा.के प्राचार्य रक्षा सिंह ने अपने अधिकारो का सही उपयोग करने की बात कही।

डॉ. हेमलता मोहबे ने कहा महिला हेल्पलाइन का उपयोग करे। असामाजिक तत्वों से स्वयं की सुरक्षा की सोच रखें।

डॉ. अंजना ठाकूर ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। छात्र संघ अध्यक्ष कु. प्रीति वैष्णव ने कार्यकम से अधिक –अधिक लाभ लेने की अपील की ।

Scanned by CamScanner

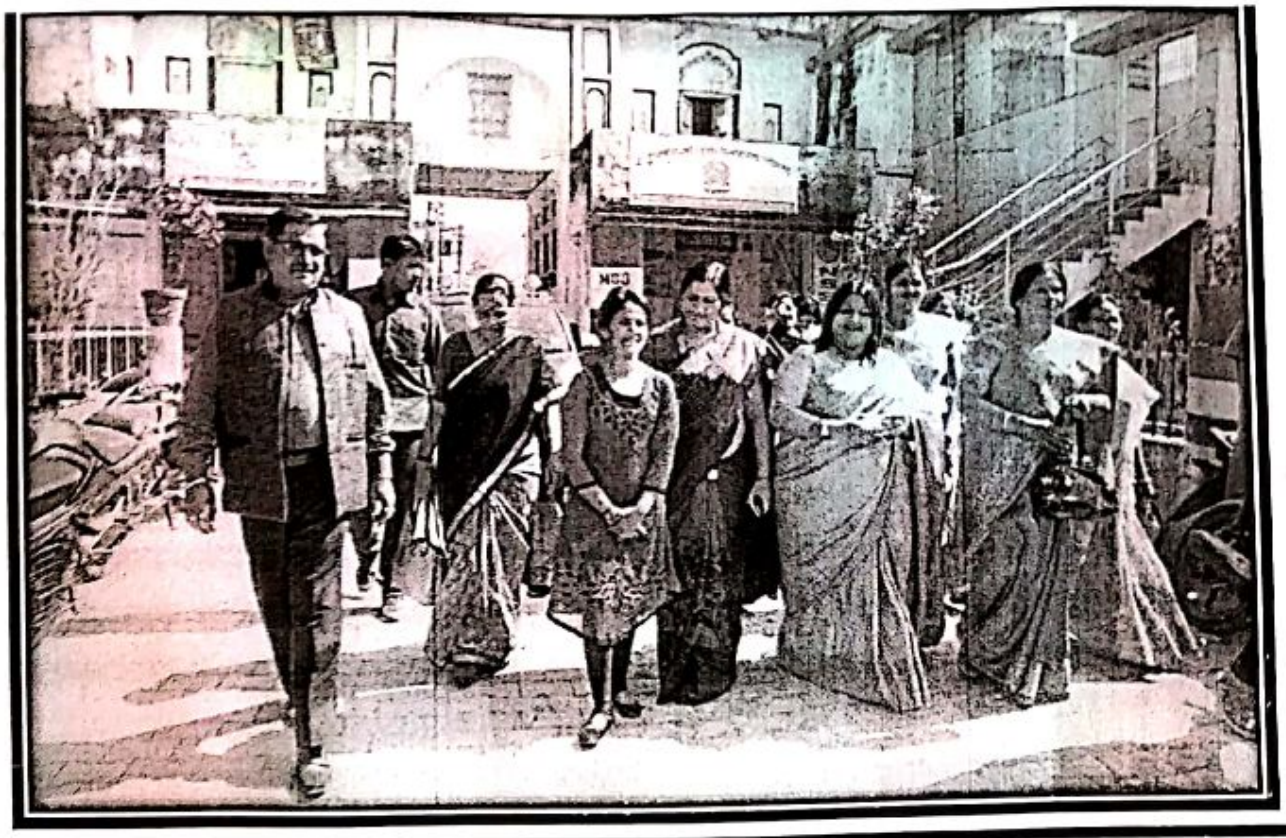

दिग्विजय महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण कार्यशाला सम्पन्न

राजनांदगांव, 18 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शा.दि.महा. के महिला उत्पीड़न एवं विकास समिति द्वारा महिला सशक्तिकरण पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसके तहत महिला अधिकारों से छात्राओं को अवगत कराकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छ.ग. महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि के रूप में छ.ग. महिला आयोग की सदस्य डॉ. रेखा मेश्राम व श्रीमती पद्मा चंद्राकर, शा.दि.महा. के पूर्व प्राचार्य डॉ. हेमलता मोहबे, शंकराचार्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती भानु मोहन व रत्ना ओस्तवाल, पूर्णिमा साहू एवं शासकीय कमलादेवी राठी महिला महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. बी.एन. मेश्राम उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता, छ.ग. समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शोभा सोनी ने की।

आरंभ में सरस्वती माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण व वंदना हुआ। कॉलेज के प्राचार्य आर.एन. सिंह ने कहा कि महिला भगवान द्वारा बनाया गया सर्वश्रेष्ठ कृति है। वर्तमान समय में समाज की हर क्षेत्र में महिला की भूमिका महत्वपूर्ण स्थान रखती है। उन्होंने ने अतिथियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिये और छात्राओं से अपने शिक्षा मूल्यों को रक्षा करने की अपील की।

मुख्य अतिथि छ.ग. महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पाण्डेय ने युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण गंभीरता का विषय है। एक महिला ही महिला की सबसे बड़ी रक्षक होती है। महिला परिवार के साथ हमेशा रहती है और यह उसके प्राकृतिक गुणों में होती है। वर्तमान समय में परिवार के हर निर्णय प्रक्रिया में महिला की भूमिका सुनिश्चित हो। हमारे घरों की गृहणियां सर्वोच्च सम्मान का हकदार होती है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को बिना महिला आरक्षक के तथा सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय के पहले गिरफ्तार नही किया जा सकता। जीरो एफ.आई.आर. एवं 354 धारा की जानकारी दी। समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष, श्रीमती शोभा सोनी ने कहा कि समाज के बुराई को दूर करने के लिए सबको आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि सकारात्मक सोच के साथ महिलाओ को अपनी समस्या के समाधान करने की जरूरत है। शंकराचार्य महाविद्यालय भिलाई के प्राचार्य, डॉ. रक्षा सिंह ने अपने अधिकारों का सही उपयोग करने की बात कही। शा.दि.म. के पूर्व प्राचार्य हेमलता मोहबे ने कहा कि असामाजिक तत्वों से स्वयं को सुरक्षा की सोच रखे। महिला हेल्पलाइन नं. का उपयोग करें।

प्रारंभ में कार्यक्रम की संयोजक, डॉ. अंजना ठाकुर ने प्रतिवेदन में बताया कि समिति द्वारा समय पर कई गतिविधियां आयोजित की जाती है। ताकि छात्राओं को जागरूक किया जा सके। छात्रसंघ अध्यक्ष प्रीति वैष्णव ने कार्यक्रम से अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। संचालन व आभार व्यक्त डॉ. बी.एन. जागृत द्वारा किया गया। इस मौके पर कॉलेज के समस्त महिला प्राध्यापक उपस्थित थे। बड़ी संख्या में छात्राएं कार्यशाला में शामिल हुए। यह जानकारी महाविद्यालय बी.जे.एन.सी. प्रथम वर्ष के छात्र रमन सोनवानी ने दी।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष को ज्ञापन

आज दिग्विजय महाविद्यालय में आये राज्य महिला अध्यक्ष श्रीमती अनामिका पाण्डे को ए.बी.वी.पी. की लाधिका टाँक, शिवान पाण्डे (सांइस कालेज छात्र संघ सचिव) एवं पूजा राव के नेतृत्व में छात्राओं को सुरक्षा के लिए जिले के सभी महाविद्यालयों में कम से कम दो महिला कांस्टेबल (कालेज के नियमित समय तक) को पदस्थ कर महिला सुरक्षा सेल की स्थापना करने हेतु सौंपा ज्ञापन। पूजा नरेन्द्र, प्रियंका राजपूत, गुलप्सा खान द्वारा बताया गया कि दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश का सबसे बड़ा महाविद्यालय है जिसमें नियमित तथा अनियमित रूप से लगभग 12000 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। जिसमें से लगभग 50 से 60 प्रतिशत छात्राएं हैं और उनमें से लगभग 80 प्रतिशत छात्राएं ग्रामीण क्षेत्र से आती है जिनकी सुरक्षा सभी महाविद्यालय की प्रथम भूमिका होनी चाहिए।

ए.बी.वी.पी. द्वारा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती अनामिका पाण्डे को राज्य शासन से बात कर सभी महाविद्यालयों में जल्द से जल्द छात्राओं की सुरक्षा हेतु महिला कांस्टेबल (कालेज के नियमित समय तक) की नियुक्ति कर सुरक्षा सेल की स्थापना करने हेतु कहा गया। दिग्विजय महाविद्यालय के पीछे शिवनी परिसर स्थित है, जहां पर भी छात्राएं पढ़ने हेतु बैठा करती है। परन्तु शिवनी परिसर के आस-पास का वातावरण सुरक्षित न होने की वजह से घटना की आशंका छात्राओं के मन में बनी रहती है। अतः कभी भी किसी भी छात्रा के साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी न हो एवं छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर दिग्विजय महाविद्यालय में एवं जिले के सभी महाविद्यालय में जल्द से जल्द महिला सुरक्षा सेल की स्थापना करने कहा गया। ज्ञापन देते वक्त प्रमुख रूप से सोनल अग्रवाल, दशप्रीत कौर, विधि, रीना, रोशनी, नियानी, छात्र नेता प्रदीप झा, बिन्नू सोनकर, हिमांशु सोनवानी, संकेत रामटेके, मानेश्वर, सनूद मिश्रा, भुनेश्वर, देवन्त सिन्हा, उमेश्वर एवं राज सिन्हा उपस्थित थे।

राज्य महिला आयोग को ज्ञापन देकर कहा महाविद्यालय मे महिला सुरक्षा सेल स्थापित करने की बात कही।

Scanned by CamScanner

एक दिवसीय पाककला सम्पन्न

दिनांक 28/11/16 को शासकीय दिग्विजय पी.जी.महा.राजनांदगांव में महिला उत्पीडन निवारण एवं विकास समिति के तत्वाधान मे एक दिवसीय पाककला कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे पाक कला में निपुण श्रीमती जिगीश बेलावाला तथा सहयोगी आशीजा टांक आमंत्रित थी। पाक कला विशेषज्ञ के द्वारा छात्राओं एवं प्राध्यापको को विभिन्न व्यजंन बनाना सिखाया गया।जिसमें पनीर चिल्ली, कोर्न तथा आलू रोल सेंडविच पनीर,पंजीर बाल खम्मन ढोकला आदि व्यंजन बनाना सिखाया।

जिसमें महाविद्यालय की छात्राएँ उपस्थित रही एवं लाभान्वित हुए। एवं इस अवसर पर महाविद्यालय की महिला प्राध्यापक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रीति बाला टांक एवं उषा ठाकुर, डॉ. सोनल मिश्रा एवं देव श्री चावडा,के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

Scanned by CamScanner

ब्यूटीशियन कोर्स पर कार्यशाला

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में महिला उत्पीडन निवारण एवं विकास समिति के द्वारा दिनांक 29.11.16 को ब्यूटशियन कोर्स पर कार्यशाला आयोजित की गई,जिसमें ब्यूटीशियन नेहा सिन्हा द्वारा फेशियल पार्टी मेकअप, हेयर स्आइल एवं ब्यूटी टिप्स पर प्रशिक्षण दिया गया।कार्यशाला के सफल संचालन एवं प्रवंधन मे संयोजक डॉ. अनीता शंकर, डॉ. नीलू श्रीवास्तव, प्रो. मीना प्रसाद, डॉ. अंजू झा,श्रीमती संगीता गुप्ता एवं कु. प्रीती वैष्णव का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला में महाविद्यालय की छात्रायें अधिक संख्या मे उपस्थित थी।

Scanned by CamScanner

योगा प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में महिला उत्पीडन निवारण एवं विकास समिति के द्वारा दिनांक 02/12/16 को योगा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम मे योग प्रशिक्षक के रूप मे श्री वासुदेव सोनी आमत्रित थे। कार्यक्रम के आरंभ में कार्यशाला की संयोजक डॉ. नीलू श्रीवास्तव ने श्री वासुदेव का स्वागत करते हुए उनका संक्षिप्त परिचय दिया। तत्पश्चात श्री वासुदेव ने विस्तार से योगा और उसके अंतर्गत विभिन्न आसानो के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात उन्होंने छात्राओं को सूर्य नमस्कार, प्राणयाम के अंतर्गत कपालभाति, अनुलोम विलोम, भुजंगासन,ताडासन, इत्यादि आसनों से अवगत करवायां ।इसमे महाविद्यालय की छात्राओ ने रूचिपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को सफल मे महाविद्यालय की महिला प्राध्यापको डॉ. नीलू श्री वास्तव, डॉ. दिव्या देशपांडे, श्रीमती तारकेश्वरी जंघेल, एवं डॉ नीलम तिवारी का विशेष योगदान रहा।

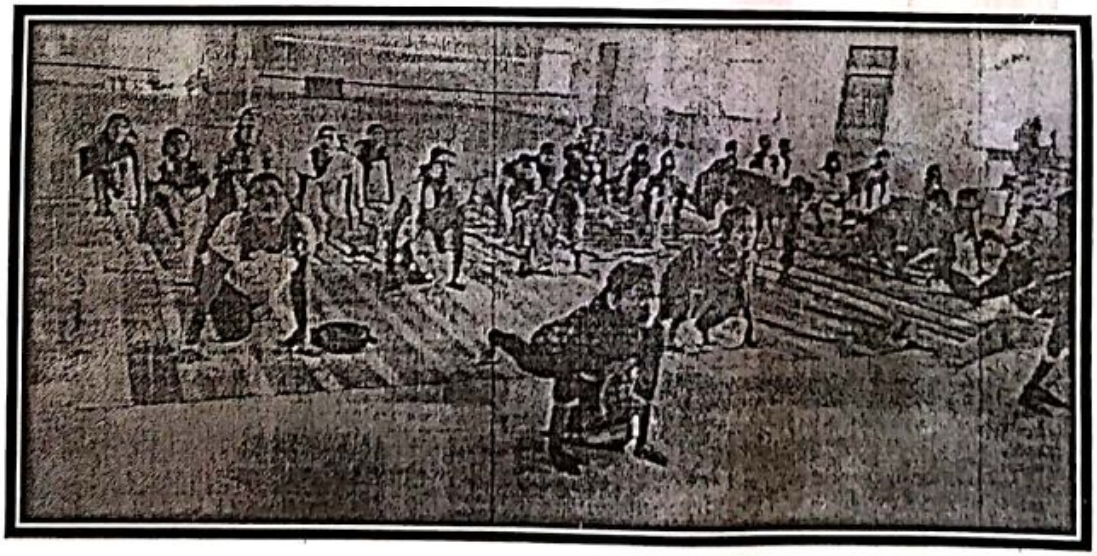

Scanned by CamScanner

(5)

छात्रों के लिए 15 दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण

महाविद्यालय के महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति द्वारा 15 दिवसीय निःशुल्क कराटे प्रशिक्षण शिविर आयोजित की गई। 15 से 30 नवम्बर तक आयोजित इस शिविर का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य सहित संमिति के अध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर, सदस्य डॉ. बी.एन. जागृत, केप्टेन किरन लता दामले, मीना प्रसाद एवं श्रीमती सोनल मिश्रा ने छात्रों को संबोधित किया। महाविद्यालय के छात्राओं ने आत्मविश्वास और आत्मसुरक्षा की भावना को प्रबल बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में कराटे ऐसोसिऐशन की प्रशिक्षक मोनिका एवं प्रतिमा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

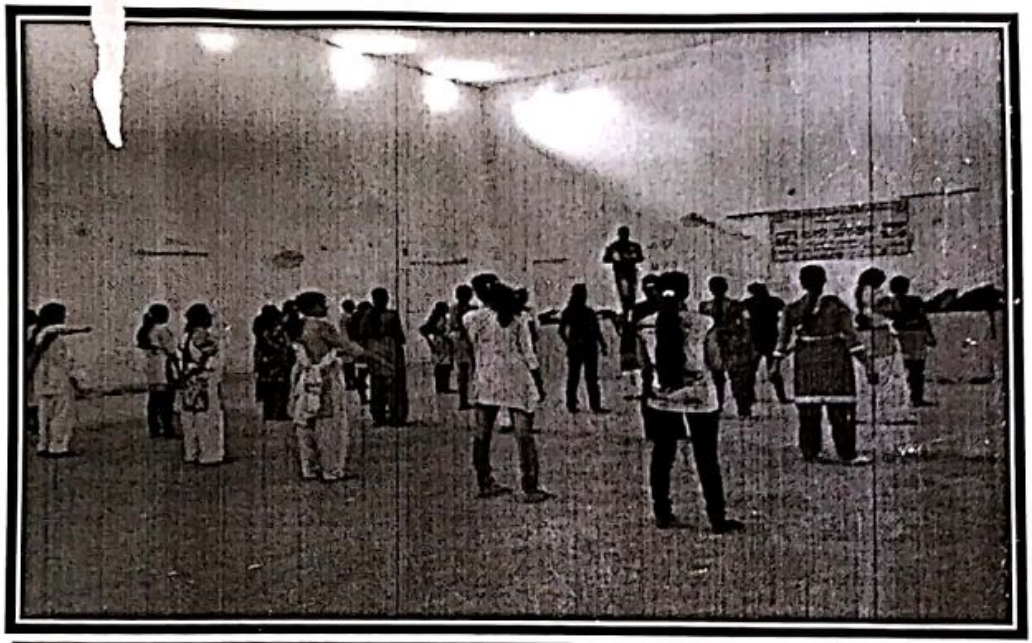

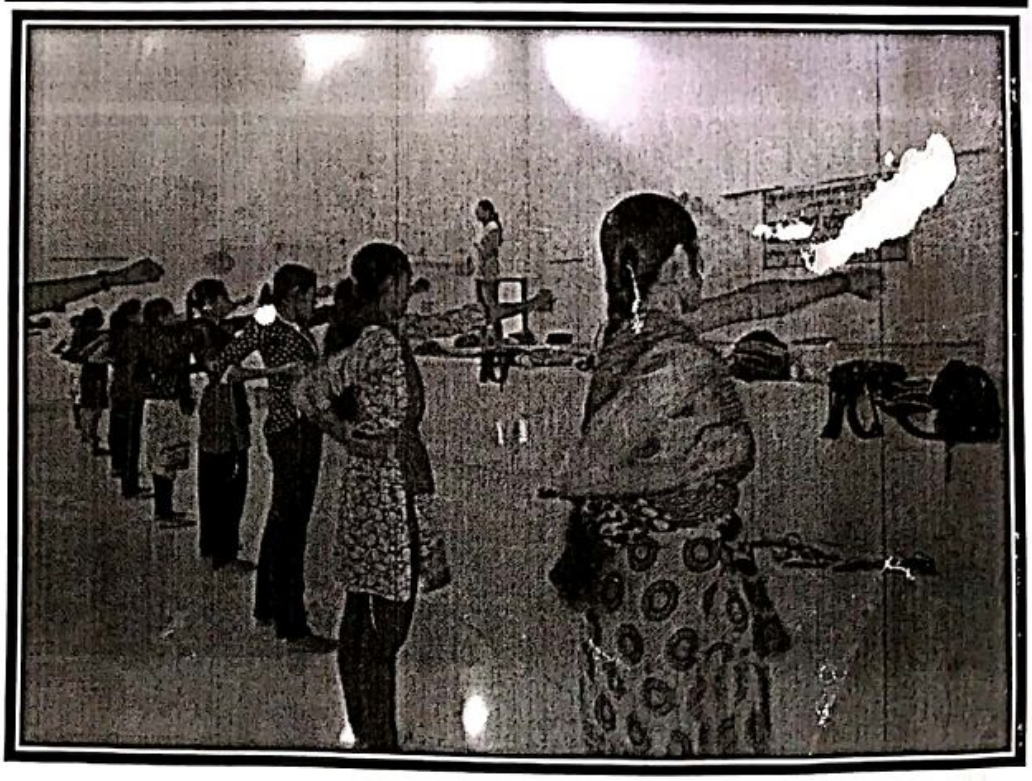

Scanned by CamScanner

(६)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च 2017

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन नवागांव में किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मधुसूदन यादव एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.बी.एन. मेश्राम शासकीय कमला देवी महिला महाविद्यालय राजनांदगांव एवं प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह उपस्थित थे।

माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा स्वतंत्र भारत में महिलाओं को समाज में आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक दृष्टि में पुरूषों के समकक्ष समानता प्राप्त है, देश में महिलाएँ राज्य सम्मान के अनेंको योजनाओं के अंतर्गत अवसर प्राप्त कर रही है।

डॉ. बी.एन. मेश्राम प्राचार्य ने कहा नारी के बिना सृष्टि अधूरी है। भारत में लघु उद्योग एवं कुटीर उद्योगों में महिलाओं का योगदान है। आत्मविश्वास के साथ वे ग्रामों में विकास की नई ईबादत लिख रही है। गरीबी, भ्रष्टाचार, नशावृत्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, घरेलू हिंसा में बेहतर भूमिका निर्वहन कर रही है।

श्री महापौर मधुसूदन यादव ने कहा भारत देश गांव से बना है, अधिकांश आबादी गांव में निवास करती है। ओलम्पिक खेल में भारत की महिला खिलाड़ियों ने पदक जीती है एवं उच्च स्तरीय प्रदर्शन दिखाया है। ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों व उद्योगों में कार्य कर रहे हैं। महिला समूह बनाकर उपलब्धि प्राप्त कर रहे हैं। सिलाई, कढ़ाई, बुनाई रेडिमेड वस्त्र, अचार, पापड़, बास की टोकरी बनाना, कागज के लिफाफे आदि बनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीना प्रसाद ने किया एवं आभार धन्यवाद डॉ. अंजना ठाकुर द्वारा किया गया।

महिलाओं द्वारा गेम खेला गया एक मिनट में चूड़ी से साड़ी निकालना, फुग्गा फुलाना, मोबत्ती जलाना, चूड़ी पहनना जैसे कार्यक्रम कराया गया एवं उन्हें पुरस्कृत किया।

Scanned by CamScanner

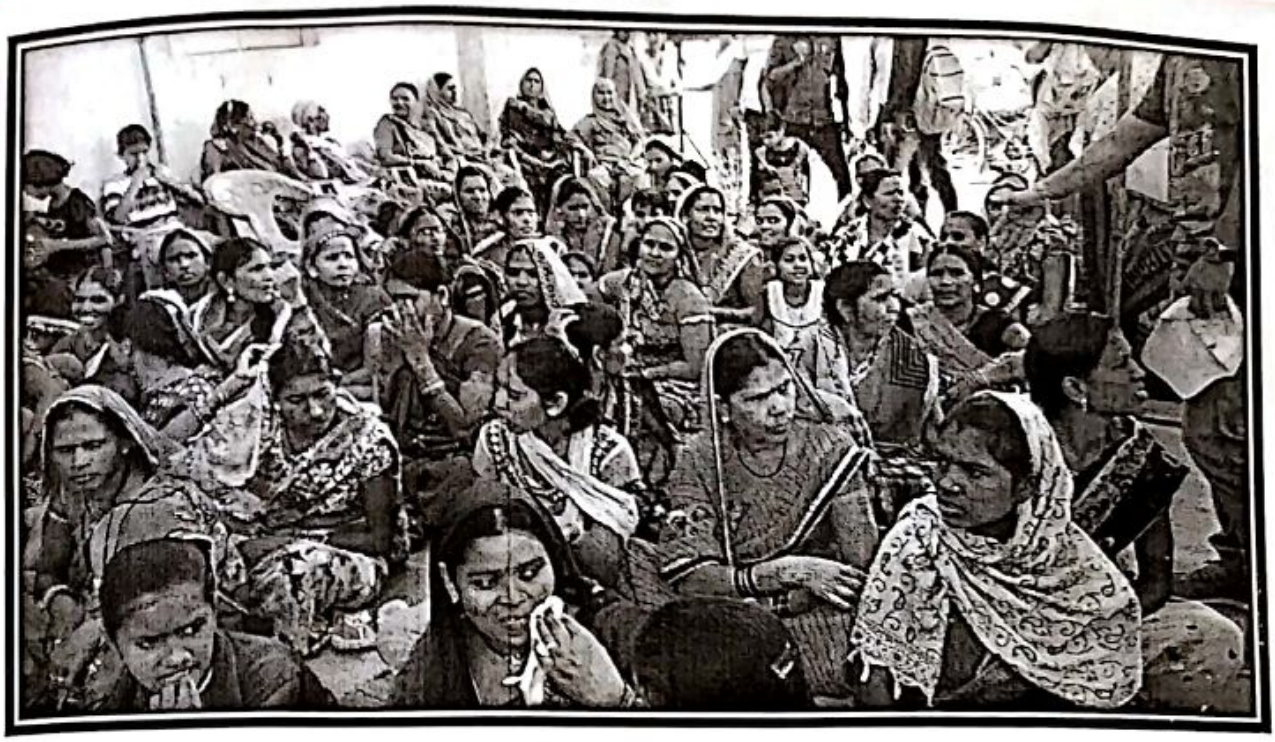

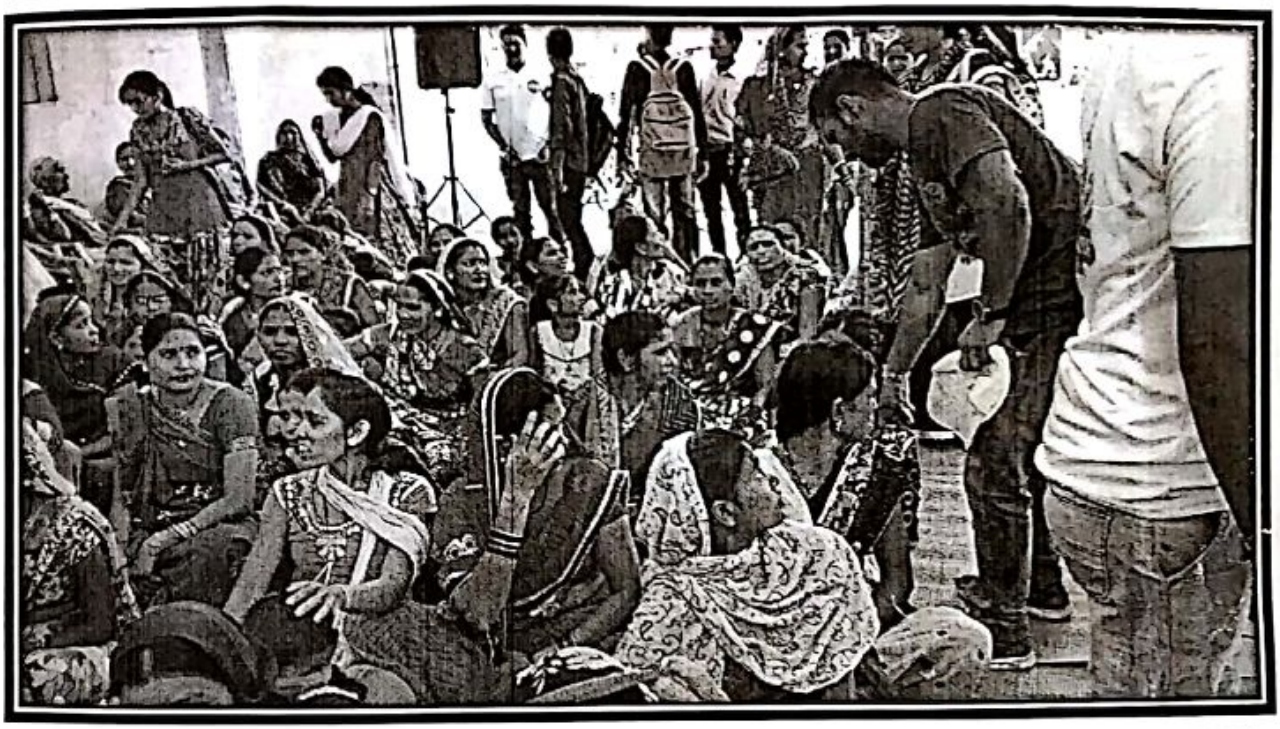

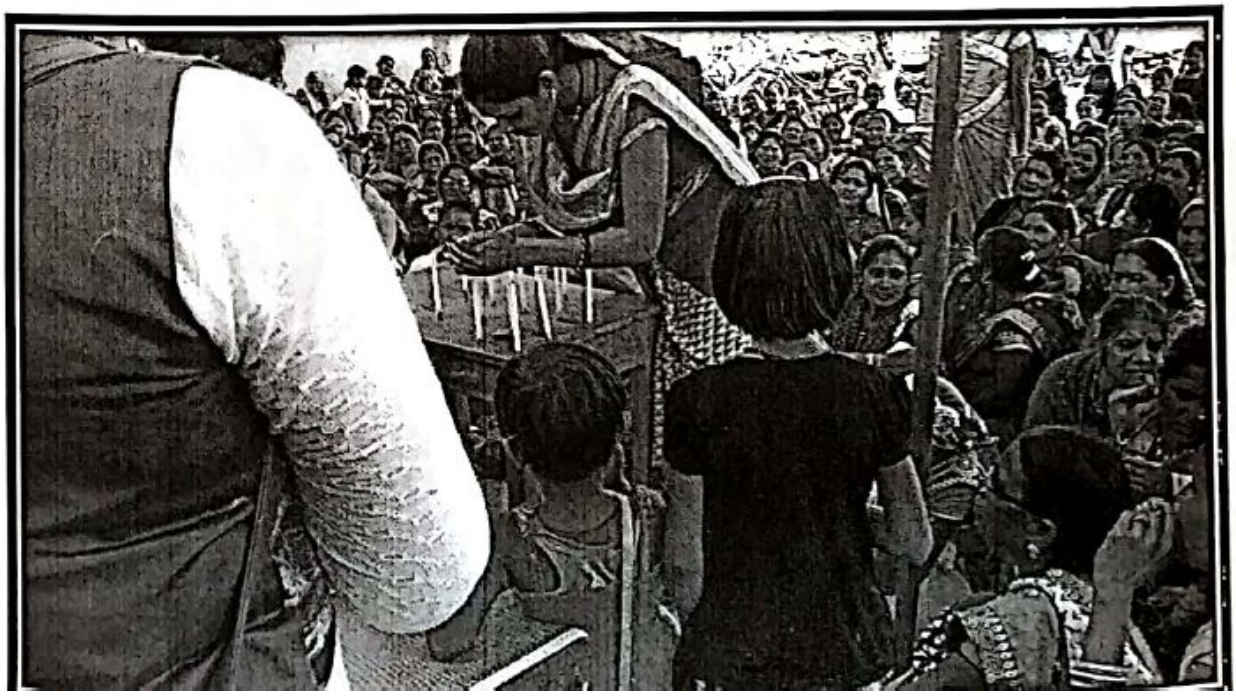

Scanned by CamScanner